


ऑपरेशन ऑल आउट



ऑपरेशन ऑल आउट

उद्देश्य

- आतंकवादियों को जम्मू और कश्मीर से बाहर करना।
- क्षेत्र में शांति और सुरक्षा स्थापित करना।
- जम्मू और कश्मीर के निवासियों के अंदर व्याप्त भय को समाप्त करना।
- स्थानीय युवाओं को आतंकवाद का रास्ता अपनाने के लिये हतोत्साहित करना।

पृष्ठभूमि

- वर्ष 2016 में सुरक्षा बलों द्वारा हिजबुल मुजाहिद्दीन के कमांडर बुरहान वानी के एनकाउंटर के बाद जम्मू और कश्मीर में हिंसक घटनाएँ होने लगीं।
- वर्ष 2017 में अमरनाथ यात्रा के दौरान किये गए आतंकवादी हमले के बाद भारत सरकार ने जम्मू कश्मीर में ऑपरेशन ऑल आउट शुरू किया।

ऑपरेशन ऑल आउट का प्रभाव

- यह अभियान मुख्यतः उत्तरी, मध्य और दक्षिणी कश्मीर में जारी है।
- इस अभियान के दौरान अब तक 250 से भी ज्यादा आतंकियों को मार गिराया गया है।
- जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिद्दीन जैसे खूंखार आतंकी समूहों के प्रमुख आतंकी कमांडरों का खात्मा किया गया जिससे इन्हें करारा झटका लगा है।
- ऑपरेशन ऑल आउट के कारण पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष आतंकी घटनाओं में कमी देखी गई।

हालिया चर्चा में रहने का कारण

- हाल ही में सरकार ने रमजान के पवित्र माह के कारण कश्मीर में एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा करते हुए ऑपरेशन ऑल आउट को रोक दिया था।
- किंतु रमजान के दौरान भी घाटी में हिंसा जारी रहने और एक पत्रकार तथा एक सैनिक की निर्मम हत्या कर दिये जाने के कारण सरकार ने ईद के बाद फिर से ऑपरेशन ऑल आउट चलाने की घोषणा की।

क्या है ऑपरेशन ऑल आउट?

- यह जम्मू और कश्मीर राज्य में भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा वर्ष 2017 में शुरू की गई एक संयुक्त सैन्य कार्यवाही है जिसका उद्देश्य राज्य में पूर्ण शांति स्थापित करने के लिये आतंकवादियों का सफाया करना है।
- इस सैन्य अभियान में भारतीय सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, जम्मू और कश्मीर पुलिस, सीमा सुरक्षा बल तथा इंटेलीजेंस ब्यूरो शामिल हैं।
- यह अभियान लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिजबुल मुजाहिद्दीन और अल-बद्र सहित कई आतंकवादी समूहों के खिलाफ चलाया गया है।

आगे की राह

- कश्मीरी लोगों में जागरूकता बढ़ाकर सरकार द्वारा उनका इस्तेमाल आतंकियों के खिलाफ किया जा सकता है।
- ऑपरेशन ऑल आउट की सफलता से भविष्य में कश्मीर में पर्यटन और व्यापार के क्षेत्र में वृद्धि होने की उम्मीद की जा सकती है।
- घाटी से आतंकियों के खात्मे के बाद भारतीय सैनिकों के शहीद होने की संख्या में कमी आएगी।

//